सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स स्कूल

एडजेसेंट नवनीति अपार्टमेंट, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: 2026-27

कक्षा:-8 | विषय: हिंदी पाठ्यपुस्तक | पाठ:9 हरे जीवों के चुंगल में

पाठ -9 (हरे जीवों के चंगुल में)

बोलकर

(क) राम और श्याम को खासतौर से अंतरिक्ष उड़ान की ट्रेनिंग दी गई थी। ट्रेनिंग के बाद उन्हें गोलाकार अंतरिक्ष शटल में भेजा गया क्योंकि वैज्ञानिक यह जानना चाहते थे कि अंतरिक्ष उड़ानों का बच्चों पर क्या असर पड़ता है।

(ख) हरे जीवों के हुजूम को देखकर राम और श्याम इसलिए सहम गए क्योंकि सबके सिर पर मुखौटे लगे थे और बगल में थे ऑक्सीजन सिलिंडर। वे खूब मस्ती में नाच-गा रहे थे।

(ग) श्याम को जब काँच का बना एक लंबा कोट मिल गया, तब उसने खेल-खेल में उसे पहन लिया। काँच का कोट पहनने का परिणाम यह हुआ कि इसे पहनने के बाद वह दिखाई देना बंद हो गया अर्थात् अदृश्य हो गया।

(घ) नियंत्रण केंद्र में खूब हो-हल्ला इसलिए मचा हुआ था, क्योंकि हर जगह हरे जीव तेजी से आ-जा रहे थे। वे आपस में राम-श्याम के भाग जाने की चर्चा कर रहे थे। हरे जीवों की पुलिस भी उनकी खोज में लगी हुई थी।

लिखकर

लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर-

(क) राम और श्याम को हरे जीव उठाकर अपने यान में ले गए। उन्होंने कंट्रोल पैनल में हरे रंग का बटन दबाया और तेजी से राम और श्याम को ले उड़े।

(ख) हरे जीवों की लंबाई 10 फुट, हरा रंग, सीकिया आकार, हाथ-पैर छोटे-छोटे, सिर ऊपर से चपटा और एकदम सपाट था।

(ग) हरे जीव ने राम और श्याम के सामने एक बटन दबाया, तो ट्राली पर काँच की प्लेटों में कुछ गोलियाँ और कुछ रॉल रखे हुए थे। देखते ही देखते प्लेटें एक झटके में ऊपर उठीं और इनकी मेज़ पर आ गईं। प्लेट में रखी चीजों की तीखी खुशबू थी तथा उन चीज़ों का अजीब-सा स्वाद था।

(घ) राम और श्याम को हरे जीवों के ग्रह पर बहुत-सी नवविकसित मशीनें दिखाई दी। जिससे उन्हें विश्वास हो गया कि ये हरे जीव पृथ्वी के मनुष्य से बहुत अधिक विकसित हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर-

(क) 'भूख में किवाड़ भी पापड़ होते हैं।' इस कथन से अभिप्राय है कि जब भूख लगती है, तब आदमी को सब कुछ अच्छा लगता है अर्थात् भूख में वह स्वाद नहीं देखता, उसे नापसंद चीज़ भी अच्छी लगती है।

(ख) मंगल ग्रह पर मशीनों की भरमार इसलिए होगी, क्योंकि वे लोग मशीनी लोग होते हैं। उनका प्रत्येक कार्य मशीनों पर निर्भर होता है। वे हरे जीव भी मशीनों पर ही निर्भर होते हैं।

(ग) यदि हमें किसी दिन मंगल ग्रह पर जाने का अवसर मिले, तो हम अपने साथ कुछ ऐसे वस्त्र जो हमें अदृश्य होने में मदद करें, खाने-पीने की चीजें ऑक्सीजन सिलेंडर तथा अपनी सुरक्षा के लिए हथियार आदि ले जाना चाहेंगे, क्योंकि ये सभी चीजें हमें सुरक्षा प्रदान करेंगी।

(घ) राम और श्याम के साहस और समझदारी से हमें यह सीख मिलती है कि मुसीबत में पड़ने पर धैर्य और समझदारी से काम लेना चाहिए। ऐसे मिशन पर पहले से ही आने वाले खतरों के प्रति सचेत कर दिया जाता है और ऐसी ट्रेनिंग दी जाती है कि हम खतरों से मुकाबला कर सकें।

(ङ) हमारी दृष्टि में हरे जीव बुरे नहीं थे। वे सिर्फ जिज्ञासु थे। उन्होंने राम और श्याम को कोई नुकसान नहीं पहुँचाया। उन्हें खाना भी खिलाया। वे बस डरे हुए थे कि कहीं किसी और ग्रह के प्राणी उन्हें नुकसान न पहुँचाए।

पठित गद्यांश

(क) मंगल ग्रह पर दिन में सब कुछ कभी-कभी बादल छा जाते। "ग लगता (वही सूरज, टिमटिमाते तारे, और कभी-कभी बादल छा जाते।

(ख) राम और श्याम को रात में पृथ्वी और मंगल ग्रह में यह अंतर दिखाई पड़ा कि वहाँ उन्हें एक की जगह दो चाँद दिखाई पड़े-डिमोस और फोबास।

(ग) दोनों पृथ्वी के ख्यालों में खो जाते। उन्हें वहाँ बहुत अच्छा लगता था।

(घ) 'चाँद' राकेश, चंद्रमा, 'पृथ्वी' धरा, धरती

(ङ) 'रात' रात्रि, 'सूरज' सूर्य